

PRECIOUS LIVES - POSTERS

अनमोल जीवन

कुछ लोग सोचते हैं
कि मेरा जीवन मेरे
जन्म से शुरू हुआ,
लेकिन मेरे जीवन के
सफर की शुरुवात मेरे
पैदा होने से बहुत
पहले हो गई थी।

गर्भ में 12 सप्ताह का शिशु

- सप्ताह 1: गर्भधारण – इस समय भ्रूण शक्कर के टुकड़े से भी छोटा होता है। लेकिन भविष्य में जो आकार व्यक्तित्व लेगा उसके समस्त गुण निर्देश इसमें मौजूद होते हैं।
- सप्ताह 2: बच्चा (भ्रूण) मां की कोख की अंदरूनी सतह से चिपक कर सुरक्षित हो जाता है।
- सप्ताह 3: शिशु की रक्त वाहिकाएँ और सेक्स कोशिकाएँ बन जाती हैं। मस्तिष्क, रीढ़ की हड्डी और तंत्रिका तंत्र की आधारभूत रचना हो जाती है।
- सप्ताह 4: बच्चे के दिल का धड़कना शुरू हो जाता है। आँख, कान और फेफड़े आकार लेने लगते हैं।
- सप्ताह 5: छोटे हाथ, पैर और चेहरा दिखने लगता है। शिशु का रक्त अब मां से अलग होता है।
- सप्ताह 6: हाथों और पैरों की छोटी छोटी उंगलियाँ आकार ले लेती हैं। बच्चे का मस्तिष्क भावना व भाषा सुनने तथा देखने के लिए 3 भागों में बंट जाता है।
- सप्ताह 7: बच्चे के दूध के दाँत के अंकुर दिखाई देते हैं। 99 प्रतिशत मांसपेशियों को निर्माण पूर्ण हो जाता है और मस्तिष्क गतिविधि स्पष्ट दिखती है।
- सप्ताह 8: बच्चे की सहल प्रक्रियाएँ और हिलना बुरू हो जाता है। अब बच्चा भ्रूण सही व निश्चित अनुपात में विकसित होकर एक अंगूठे के बराबर हो जाता है। इसमें खोपड़ी, कोहनी और घुटने बनने लगते हैं। लेकिन वे अपरिपक्व हैं।
- सप्ताह 9: अब स्पर्श करने पर हाथ और आँख बंद हो जाती हैं। लिंग देख कर बच्चे के लड़का व लड़की होने का पता कर सकते हैं। मांसपेशियों में हरकत शुरू हो जाती है।
- सप्ताह 10: बच्चे की उंगलियों के निशान आकार लेने लगते हैं, तंत्रिका और मांसपेशियों के जोड़ तीन गुना हो जाते हैं। बच्चे की पलकें उसकी नाजूक विकासशील आँखों की रक्षा करने के लिए अस्थायी रूप से एक साथ जुड़ी रहती हैं।
- सप्ताह 11: बच्चा श्वास लेने, चेहरे का भाव बदलने और मुस्कुराने का अभ्यास करता है। बच्चे भी पेशाब कर सकते हैं और पेट की मांसपेशियों में संकुचन कर सकते हैं।
- सप्ताह 12: अब बच्चे की लम्बाई 3 इंच और वजन 2 औंस हो जाता है। चेहरे पर बहुत हलके बाल होते हैं। अब बच्चे में निगलने, स्पर्श महसूस करने और स्पर्श का प्रतिउत्तर देने की क्षमता आ जाती है।